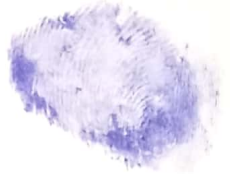


23848

पञ्जावली प्रार्थना के
 मितल नलकी के प्रार्थना,
 पत्र पर भाप प्रेश हुई।
 प्रार्थना व वकील स्वयं
 उपस्थित भाप प्रार्थना की
 परलान वकील प्रार्थना की थी
 बाड गती विद्वा एं पुरा थे
 भाकत 7। रवालीस रिपा, जार, थे
 पञ्जावली प्रेमल शुभार होकर
 नचर हं कल है



ज.नि.
 गीतादेवी
 पञ्जावली
 कलिकता

[Signature]
 Not Press

उपरखण्ड अधिकारी नारायणगढ़